कृत्रिम बुद्धिमत्ता की छात्रों के स्वाध्याय में भुमिका : एक अध्ययन

डॉ0 जयकुवांर, विभागाध्यक्ष, योग विज्ञान विभाग, मोहिनी देवी डिग्री कॉलेज, रूड़की, Kunwarjai01@gmail.com

शोध सारांश

स्वाध्याय, अर्थात स्वयं के प्रयासों से अध्ययन, किसी भी व्यक्ति के व्यक्तिगत और शैक्षणिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। आधुनिक युग में तकनीकी प्रगति ने स्वाध्याय के साधनों और तरीकों को बदल दिया है, और कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने इसमें एक क्रांतिकारी भूमिका निभाई है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता की मदद से स्वाध्याय अब न केवल अधिक सुलभ हो गया है, बल्कि यह अधिक प्रभावी और व्यक्तिगत भी हो गया है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने शिक्षा और स्वाध्याय में व्यक्तिगत अनुकूलन का मार्ग प्रशस्त किया है। अब विभिन्न ऑनलाइन प्लेटफॉर्म और एप्लिकेशन उपयोगकर्ताओं की सीखने की शैली, रुचि और स्तर को समझकर उनके लिए विशेष सामग्री उपलब्ध कराते हैं। AI की एक और प्रमुख भूमिका यह है कि यह जानकारी को सुलभ और सरल बनाती है। डिजिटल असिस्टेंट, जैसे कि वर्चुअल ट्यूटर, किसी भी समय छात्रों के सवालों का उत्तर देने के लिए उपलब्ध होते हैं। इससे छात्र अपनी जिज्ञासा को तुरंत शांत कर सकते हैं और गहन अध्ययन कर सकते हैं। इसके अलावा, भाषा अनुवाद उपकरणों की सहायता से विभिन्न भाषाओं में उपलब्ध सामग्री को समझना भी अब आसान हो गया है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने स्वाध्याय को रोचक और व्यावहारिक बनाने में भी योगदान दिया है। एआई–संचालित सिमुलेशन, वर्चुअल रियलिटी और इंटरएक्टिव गेम्स छात्रों को जटिल अवधारणाओं को सरल और व्यावहारिक रूप में समझने का अवसर प्रदान करते हैं। हालांकि, कृत्रिम बुद्धिमत्ता की भूमिका स्वाध्याय में अमूल्य है, लेकिन इसके साथ कुछ चुनौतियां भी हैं। सबसे बड़ी चुनौती यह है कि एआई आधारित स्वाध्याय साधनों की पहुंच अभी भी समाज के सभी वर्गों तक नहीं है। इसके अलावा, अधिक तकनीकी निर्भरता के कारण छात्रों में स्व–प्रेरणा और रचनात्मकता का अभाव भी हो सकता है। स्वाध्याय में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की भूमिका असीमित संभावनाओं से भरी है। यह शिक्षा के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव लाने का माध्यम बन गई है। सही दिशा और दृष्टिकोण के साथ, एआई का उपयोग स्वाध्याय को सशक्त और प्रभावी बनाने में मदद कर सकता है। इससे न केवल छात्रों की शैक्षणिक प्रगति होगी, बल्कि वे वैश्विक स्तर पर अपनी क्षमताओं को और अधिक विकसित कर पाएंगे।